केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 91 शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

34 परीक्षा केन्द्रों पर होगी पीईटी परीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)– 2026 को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिले में 34 परीक्षा केंद्रों पर 25 और 30 अक्टूबर और 1 नवंबर को दो पालियों में परीक्षा होगी। प्रत्येक पाली में करीब 13 हजार अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा की तैयारियों को लेकर गुरुवार को दोपहर करीब 2 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम कृत्तिका ज्योत्स्ना और एसपी ओमवीर सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था, अभ्यर्थियों के प्रवेश, सुरक्षा और कानून–व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए। परीक्षा की निगरानी के लिए 34 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 34 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। डीएम कृत्तिका ज्योत्स्ना ने निर्देश दिया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुसार व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं।

अभ्यर्थियों के बैठने, पेयजल, क्लाक रूम और अन्य जरूरी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी नामित अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर डॉक्टरों की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

अधिवक्ता पर हमला मामले में डीएम, एसपी को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अधिवक्ता अनिल चौधरी पर हुए प्राणघातक हमले के मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग को लेकर गुरुवार को अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा।

.अधिवक्ताओं ने कहा कि अनिल चौधरी पर हुए हमले के मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए। साथ ही अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू किया जाए। अधिवक्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर एकजुटता दिखाते हुए प्रशासन से प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

जनपद बार के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं मंडल अध्यक्ष प्रदीप कुमार पांडेय ने अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग उठाई थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए यह कानून लागू नहीं किया गया तो अधिवक्ता साथी विधानसभा का घेराव करेंगे।

गौरतलब है कि अनिल चौधरी पर हमले के विरोध में सोमवार को भी अधिवक्ताओं ने न्याय मार्ग जाम कर प्रदर्शन किया था। उस दौरान भी अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग उठाई गई थी। गुरुवार को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर अधिवक्ताओं ने एक बार फिर अपनी मांगों पर कार्रवाई का दबाव बनाया।

ज्ञापन सौंपने वालों में प्रदीप कुमार पांडेय, यंग बार के विनोद भट्ट, दुर्गेश श्रीवास्तव, सिविल बार के अजय सिंह, मारुति शुक्ल, रजनीश दुबे, राजेंद्र शुक्ल, अविनाश त्रिपाठी, रामकृपाल, अमर, शीतला शुक्ल, राधेश्याम यादव और अजीत पांडेय सिंह समेत सैकड़ों अधिवक्ता शामिल रहे।

मतदाता सूची में गड़बड़ी के मामले में बड़ी कार्रवाई, दो एसडीएम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

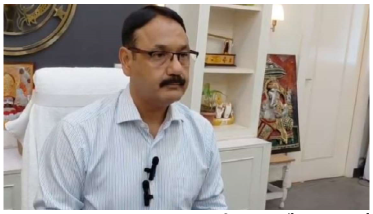

पीलीभीत (आभा)। पीलीभीत की सदर विधानसभा सीट की मतदाता सूची में गड़बड़ी के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। बृहस्पतिवार को दो उप जिलाधिकारी (एसडीएम) मयंक गोस्वामी और हेमंत चौधरी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इस मामले में एक कंप्यूटर ऑपरेटर को भी आरोपी बनाया गया है। सहायक निर्वाचन अधिकारी की तहरीर पर कोतवाली नगर में मामला दर्ज किया गया है। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने इस कार्रवाई की जानकारी दी है।

मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोपों पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर जिलाधिकारी ने जांच कराई थी। प्राथमिक जांच में पूरनपुर के एसडीएम मयंक गोस्वामी और अमरिया के एसडीएम हेमंत चौधरी को गंभीर लापरवाही का दोषी माना गया। ये दोनों विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के पद पर तैनात थे। आयोग ने बुधवार को दोनों उप जिलाधिकारियों को उनके पदों से हटा दिया था। उन्हें जिला मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। वीआरसी के कंप्यूटर ऑपरेटर अनिल कुमार की सेवाएं भी समाप्त कर दी गई हैं।

आयोग की सख्ती के बाद यह बड़ी कार्रवाई की गई है। दोनों एसडीएम के खिलाफ अब विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन आगे की कार्रवाई करेगा। बता दें कि सपा ने सोमवार को इस मामले में ज्ञापन दिया था। बुधवार को कांग्रेस पार्टी ने भी इस मुदध्दे को उठाया। इस मामले में दोनों दलों के नेताओं ने मोर्चा खोल रखा है।

एसआईआर के बाद मतदाता सूची में गड़बड़ियों का मामला तूल पकड़ने लगा है। सदर विधानसभा सीट पर वोटों में हेरफेर के आरोप लगाते हुए सपा और कांग्रेस ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस नेता कुमुद गंगवार ने 13 हजार से अधिक वोटों में गड़बड़ी और कुल 16 हजार से अधिक वोटों में हेरफेर का आरोप लगाया है। उन्होंने इसके पीछे सत्ता पक्ष के एक मौजूदा विधायक के इशारे पर अधिकारियों के सिंडिकेट के काम करने का दावा किया। मामले में तत्कालीन डीएम की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए सीबीआई जांच की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने डीएम से मुलाकात कर ज्ञापन भी सौंपा।

वहीं, समाजवादी पार्टी ने भी प्रेसवार्ता कर मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगाया। सपा जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार, पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा, पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां फूल बाबू ने सदर विधानसभा सीट की मतदाता सूची में कथित हेरफेर के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया। सपा नेताओं का आरोप है कि सत्ता पक्ष के दबाव में अधिकारियों ने काम किया।

उनका दावा है कि एसआईआर के बाद भी मतदाताओं के ईपीआईसी (वोटर पहचान पत्र) नंबर बदले गए। इसके जरिये बड़े पैमाने पर मतदाताओं को उनके मताधिकार से वंचित करने की योजना बनाई गई। सपा नेताओं ने पूरे मामले की जांच कराने के साथ मतदाता सूची में गड़बड़ियों को दूर कर सुधार करने की मांग की है।दोनों दलों के आरोपों के बाद सदर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में गड़बड़ियों का मामला राजनीतिक रूप से गरमा गया है।

सऊदी अरब में हुए हमलों की निन्दा

नई दिल्ली (आभा)। भारत ने सऊदी अरब में हुए हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि आम नागरिकों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने वाले ये हमले पूरी तरह से गलत हैं और इन्हें तुरंत बंद किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के अनुसार, 21 अक्टूबर को दम्मम स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और दो अन्य भारतीय घायल हो गए। वहीं, पूर्वी प्रांत में सऊदी अरामको के शायबा तेल क्षेत्र पर हुए हमले में एक और भारतीय नागरिक घायल हो गया। मंत्रालय ने कहा कि इन हमलों में नागरिकों की जान गई है और कई लोग घायल हुए हैं।

प्रशासन के आश्वासन पर 28 तक टाल दिया सरयू में जल समाधि का निर्णय

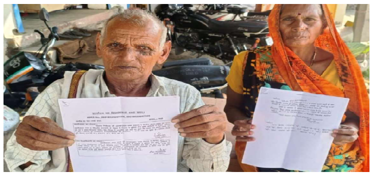

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के वैश्नोपुर निवासी लगभग 71 वर्षीय जोखन और उनकी पत्नी सावित्री ने समस्याओं के समाधान हेतु 22 अक्टूबर को सरयू में जल समाधि की चेतावनी दिया था। जोखन को पुलिस और विभागीय अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि बस्ती में देवी प्रतिमा विसर्जन के बाद उनकी समस्या का समाधान करा दिया जायेगा। इस आश्वासन पर जोखन ने 28 अक्टूबर तक जल समाधि का अपना निर्णय टाल दिया है।

ज्ञात रहे कि मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारियों को कलवारी थाना क्षेत्र के वैश्नोपुर निवासी जोखन ने पत्र भेजकर कहा है कि यदि उनके मकान के सामने से कप्तानगंज थाना क्षेत्र के नकटीदेई निवासी ओम प्रकाश द्वारा जबरिया रखा गया टीन टप्पर न हटवाया गया तो वे पत्नी समेत सरयू नदी में जल समाधि ले लेंगे। जोखन ने बताया कि पहले उन्होने 20 अक्टूबर को सरयू में जल समाधि लेने की चेतावनी दिया था किन्तु कानूनगो ने आश्वासन दिया है कि 21 अक्टूबर तक उनकी समस्या का समाधान करा दिया जायेगा। इसे देखते हुये उन्होने पत्नी समेत जल समाधि का निर्णय दो दिन के लिये टाल दिया है। इसके बाद अब जोखन ने प्रशासन को 28 अक्टूबर तक का मौका दिया है।

कलवारी थाना क्षेत्र के वैश्नोपुर निवासी जोखन ने उच्चाधिकारियों को दिये पत्र में कहा है कि वे पत्नी के साथ पिछले 7 वर्षो से निरन्तर अपने अधिकार के लिये संघर्ष कर रहे हैं, दो बार पहले भी जल समाधि की चेतावनी दे चुके हैं, अधिकारियों के आश्वासन पर वे निर्णय टालते रहे किन्तु समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। जोखन ने चेतावनी दिया है कि यदि इस बार भी प्रशासन खरा न उतरा तो वे बाध्य होकर सरयू नदी में जल समाधि ले लेंगे।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विक्रमजोत इलाके में बुधवार शाम करीब 7रू30 बजे एक विवाहिता ने खुद को कमरे में बंद कर ज्वलनशील पदार्थ से आग लगा ली। पड़ोसियों ने दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाला। गंभीर हालत में उसे विक्रमजोत अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के मुताबिक महिला का अपने पति के साथ अनबन चल रहा था और वह काफी समय से अपने मायके में ही रह रही थी। कहा जा रहा है कि इसी दौरान उसका पड़ोसी गांव के एक युवक के साथ अफेयर भी हो गया। यह भी कहा जा रहा है कि युवक के वादे से मुकरने के कारण वह परेशान थी। हालांकि, आत्मघाती कदम की असली वजह अभी साफ नहीं है।

डाक्टर अतुल सिंह ने बताया कि विवाहिता करीब 90 प्रतिशत जली हुई हालत में अस्पताल लाई गई थी। थाना प्रभारी राणा डीपी सिंह ने कहा कि पुलिस को मामले की जानकारी है। परिवार की शिकायत मिलने पर आगे कार्रवाई की जाएगी। जांच के बाद ही घटना के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के जन्मदिन पर अधिवक्ताओं ने किया पौधरोपण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के जन्मदिन पर अधिवक्ताओं ने जनपद बार एसोसिएशन के संयुक्त मंत्री शिव शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट के नेतृत्व में कचहरी परिसर में पौधारोपण किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए उनके दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर शिव शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने अपने कार्यकाल के दौरान बस्ती के विकास के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उनके प्रयासों से जनपद को विकास की दिशा में आगे बढ़ाने का काम हुआ है। उन्होंने कहा कि हम कामना करते हैं कि हरीश द्विवेदी भविष्य में जब भी कोई चुनाव लड़ें, तो भारी मतों से विजय प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सके।

पौधरोपण के दौरान विजयकांत सिंह, अजय मिश्रा एडवोकेट, अविनाश शुक्ला एडवोकेट, राम सिंह एडवोकेट, संजय श्रीवास्तव एडवोकेट, धर्मेंद्र मणि त्रिपाठी एडवोकेट सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

अवर अभियन्ता लघु सिंचाई परवेन्दर सिंह के स्थानान्तरण और कार्य मुक्ति का पत्र सौंपे जाने के बाद धरना स्थगित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लघु सिंचाई विभाग में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के विरोध में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के मण्डल महासचिव एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया। धरने के दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों पर शासनादेश का अनुपालन नहीं करने और मामले में लापरवाही बरतने के आरोप लगाते हुए जांच कर कार्रवाई की मांग की। अधिकारियों की ओर से मिले आश्वासन और अवर अभियन्ता लघु सिंचाई परवेन्दर सिंह के स्थानान्तरण और कार्य मुक्ति के पत्र सौंपे जाने और जांच के आश्वासन के बाद धरना स्थगित कर दिया गया।

गुरूवार को धरनास्थल पर मामले के समाधान के लिए अधिशासी अभियंता हरिओम सिंह की ओर से चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भेजा गया। प्रतिनिधिमंडल में अजय कुमार, श्रीप्रकाश चौधरी, सुजीत गुप्ता और अशरफ शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से परविंदर सिंह के स्थानांतरण और उनके कार्यकाल में किए गए कार्यों की जांच के लिए कमेटी गठित करने तथा एक सप्ताह के भीतर जांच पूरी कराने का आश्वासन दिया गया। अधिकारियों की ओर से मिले आश्वासन और पत्र देने के बाद ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने अनिश्चितकालीन धरना स्थगित कर दिया। ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने कहा कि यदि निर्धारित समय में जांच पूरी कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को फिर से तेज किया जाएगा। धरने को स्थगित करने के दौरान मुख्य रूप से आर.के. आरतियन, राम सुमेर यादव, रितिक कुमार, दयानिधि आनंद, लालमणि शर्मा, भैया लाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सिंचाई विभाग में महाघोटाला: बिना नियुक्ति 344 कर्मचारियों के खाते में भेज दिये करोड़ों रुपए

मिर्जापुर (आभा)। यूपी के सिंचाई विभाग में फर्जीवाड़े की जड़ें इतनी गहरी निकलीं कि बिना नियुक्ति ही 344 कथित कर्मचारियों के खातों में 16 करोड़ रुपये पहुंचा दिए गए। ट्रेजरी में फर्जी खाते खुलवाकर एरियर भुगतान का खेल रचा गया। इसका खुलासा महालेखाकार की ऑडिट टीम ने किया है। मामला उजागर होते ही विभाग में खलबली मची तो एकाउंटेंट को निलंबित कर एफआईआर दर्ज करा दी गई। अभी एक डिविजन में मामला मिला है। अब सवाल है कि इतने बड़े घोटाले में मिलीभगत का दायरा कहां तक फैला है और दूसरे डिविजनों में भी सरकारी धन की ऐसी ही लूट तो नहीं हुई।

सिंचाई विभाग के मिर्जापुर कैनाल डिविजन के लघु डाल पम्प कैनाल खंड में वित्तीय वर्ष 2025–26 में एकाउंटेंट और उच्चाधिकारियों की मिलीभगत से लगभग 16 करोड़ रुपये के एरियर भुगतान का घोटाला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। आरोप है कि लघु डाल पम्प कैनाल डिविजन के 344 कर्मचारियों के फर्जी खाते खुलवाकर एरियर का भुगतान कर दिया गया है।

महालेखाकार प्रयागराज की दस सदस्यीय टीम के वर्तमान वित्तीय वर्ष के ऑडिट में घोटाले का खुलासा हुआ तो एमसीडी के अधिशासी अभियंता एवं अन्य अफसरों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि अधिशासी अभियंता ने आनन–फानन में 18 अक्तूबर को विभाग के एकाउंटेंट व एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शहर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराकर मामले की लीपापोती शुरू कर दी।

सिंचाई विभाग के मिर्जापुर कैनाल डिविजन के अधिशासी अभियंता को अन्य दस खंडों के कर्मचारियों के एरियर का भुगतान करने के लिए डीडीओ पावर दिया गया है। इसी डिविजन के लिपिक और एकाउंटेंट कर्मचारियों को किए जाने वाले एरियर का बिल बनाकर अधिशासी अभियंता से हस्ताक्षर कराने के बाद ट्रेजरी को भुगतान के लिए भेज देते हैं।

शिक्षक एमएलसी चुनाव: 14 केन्द्रों पर होगा मतदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती।गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक चुनाव के लिए गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पोलिंग पार्टियों को मतपेटिकाएं सौंपी गई। शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए जिले में 23 अक्टूबर को मतदान होगा। इसके लिए जिले में 14 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। वोटिंग सुबह 8 से शाम के 4 बजे तक चलेगा। चुनाव में केवल पात्र शिक्षक मतदाता ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

प्रशासन की ओर से मतदानकर्मियों को चुनाव संबंधी जरूरी व्यवस्थाओं और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए गए। पोलिंग पार्टियों को मतपेटिकाएं सौंपने के साथ मतदान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मतदान केंद्रों पर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए तहसील स्तर पर भी तैयारियां कराई गई हैं।

जिले में रामनगर, रुधौली, सल्टौआ गोपालपुर, साऊंघाट, गौर, परसरामपुर, विक्रमजोत, हर्रैया, बस्ती, नगर पालिका परिषद बस्ती, कप्तानगंज, बहादुरपुर, बनकटी और कुदरहा में मतदान कराया जाएगा। निर्धारित मतदेय स्थल संबंधित क्षेत्र पंचायत कार्यालय भवनों में बनाए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार मतदान के लिए पोलिंग पार्टियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। शुक्रवार को शिक्षक मतदाता अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुंचकर वोट डाल सकेंगे। प्रशासन का जोर मतदान प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर है।

संगोष्ठी में जन सरोकारों के विभिन्न पहलुओं पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रभावती पल्टूराम मानव सेवा संघ ट्रस्ट की ओर से एनएच–27 स्थित फ्रेश फूड किंग रेस्टोरेंट, रजौली, संसारीपुर में जन सरोकारों के विभिन्न पहलुओं पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारियों, चिकित्सकों, समाजसेवियों और गणमान्य अतिथियों ने सहभागिता की। विचार–विमर्श में आये निष्कर्षों को आगे बढाने पर जोर दिया गया।

ट्रस्ट की अध्यक्ष कृष्णावती, संरक्षक डॉ. सी. एम. पटेल तथा सदस्य इंद्रावती प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। किलकारी हॉस्पिटल के नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ तथा ट्रस्ट के संरक्षक डॉ. सी. एम. पटेल ने अतिथियों का स्वागत किया।

संगोष्ठी में इंजीनियर चंद्रशेखर वर्मा, समाजसेवी संजय चौधरी, बसंत चौधरी, सुखराम पटेल, इंजीनियर के. एम. पटेल, डॉ. नीतू वर्मा, डॉ. राजेश पटेल, डॉ. जे. के. कटियार, डॉ. संजय कुमार, लकी चौधरी, सत्य चौधरी, संजना, सीमा, निशा, अर्चना, रिया पटेल तथा समाजसेवी रामपाल चौधरी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने आपसी सौहार्द के बीच विचारों का आदान–प्रदान किया। संगोष्ठी में विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ सामाजिक सहभागिता और आपसी समन्वय की भावना देखने को मिली। अतिथियों की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण और सौहार्दपूर्ण बना रहा।

आवासीय कॉलोनियों में दुकान खोलने की अनुमति देने की मांग, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमण्डल उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों, व्यापारियों ने जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर आवासीय कॉलोनियों में दुकान खोलने की अनुमति देने, विकसित बाजारों को नियमित करने और ध्वस्तीकरण से प्रभावित व्यापारियों के पुनर्वास की मांग की।

–बाजारों को नियमित करने, प्रभावित व्यापारियों के पुनर्वास की उठाई आवाज

प्रदेश उपाध्यक्ष और बस्ती मण्डल अध्यक्ष हरिमूर्ति सिंह 'मनोज' ने बताया कि विकास प्राधिकरण एवं आवास विकास परिषद की कॉलोनियों में पर्याप्त बाजारों की व्यवस्था नहीं होने के कारण व्यापारियों ने अपने स्तर पर बाजार विकसित किए। अब आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियों और कथित अवैध निर्माण के नाम पर सीलिंग एवं ध्वस्तीकरण के नोटिस जारी होने से व्यापारियों के सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

प्रदेश उपाध्यक्ष परमात्मा प्रसाद मद्धेशिया ने कहा कि आवासीय भवनों में दुकान खोलने की अनुमति देने के लिए कानून बनाया जाना चाहिए। व्यापारी बिजली बिल, हाउस टैक्स, जीएसटी और आयकर के माध्यम से सरकार को राजस्व देते हैं, इसके बावजूद उनके हितों की अनदेखी की जा रही है।

जिला महामंत्री आलोक दुबे एवं युवा जिला अध्यक्ष कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि ज्ञापन में विकसित बाजारों एवं कॉलोनियों को नियमित करने, ध्वस्तीकरण से प्रभावित व्यापारियों के पुनर्वास तथा अवैध निर्माण के मामलों में जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर दोषियों को दंडित करने के लिए कानून बनाने की मांग की गई है। व्यापारियों ने मुख्यमंत्री से इस मामले में शीघ्र उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया।

ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला संगठन महामंत्री भरत राम अग्रहरी 'बबलू', जिला कोषाध्यक्ष महेन्द्र गुप्ता, नगर अध्यक्ष महेन्द्र प्रताप, नगर महामंत्री धीरेंद्र चौधरी, नगर संगठन महामंत्री डॉ. प्रदीप सिंह, युवा महामंत्री सत्य प्रकाश दुबे, जिला संगठन मंत्री संजय गुप्ता, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष वंदना वर्मा, जिला महामंत्री गीता देवी, जिला कोषाध्यक्ष राजेश्वरी शर्मा, रावेश श्रीवास्तव, सुजीत कुमार गुप्ता, आकाश सोनी, अवधेश निषाद, सत्यम सिंह, मोहम्मद फुरकान, मोहम्मद नदीम, अली हुसैन, अश्विन कुमार, शुभम कुमार, सुखसागर, नितिन श्रीवास्तव, उज्ज्वल श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, रजनीश कुमार और त्रिलोकी नाथ सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं व्यापारी उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 23 अक्टूबर 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

चुनावी राजनीति और मतदाता

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की आहट के साथ राजनीतिक दलों की सक्रियता बढ़ने लगी है। कहीं संगठन को मजबूत करने की कवायद चल रही है, तो कहीं गठबंधन और सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा तेज है। सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी दल अपने–अपने तरीके से चुनावी जमीन तैयार करने में जुटे हैं। लेकिन इस राजनीतिक गतिविधि के बीच सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि आम जनता की समस्याएं राजनीतिक प्राथमिकताओं में किस स्थान पर हैं?

चुनाव लोकतंत्र का महत्वपूर्ण अवसर है। इस दौरान राजनीतिक दलों को अपनी नीतियां, उपलब्धियां और भविष्य की योजनाएं जनता के सामने रखनी चाहिए। मतदाताओं को भी यह जानने का अधिकार है कि अगले पांच वर्षों के लिए उनके प्रतिनिधियों के पास क्या योजना है। केवल विरोध और समर्थन के आधार पर राजनीति को नहीं परखा जा सकता। असली कसौटी यह है कि जनता के जीवन में कितना बदलाव आया और आगे क्या बदलने वाला है।

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की आय, कानून–व्यवस्था और स्थानीय विकास जैसे विषयों की अहमियत सबसे अधिक है। युवाओं को रोजगार के अवसर चाहिए, किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य और समय पर भुगतान चाहिए। आम परिवार बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अपेक्षा करता है। छोटे शहरों में सड़क, जलनिकासी, यातायात और साफ–सफाई जैसी समस्याएं भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं।

राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन और सीटों को लेकर बातचीत होना स्वाभाविक है। हर दल अपनी राजनीतिक ताकत बढ़ाना चाहता है। लेकिन गठबंधन का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि किस दल को कितनी सीटें मिलीं। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि साझा कार्यक्रम क्या है और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए कौन–सी नीतियां अपनाई जाएंगी।

सत्तारूढ़ दल के पास अपने कार्यों का हिसाब देने और भविष्य की योजनाएं बताने का अवसर है। वहीं विपक्ष की जिम्मेदारी केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि व्यवहारिक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। जनता को यह जानना चाहिए कि विपक्ष सत्ता में आने पर मौजूदा समस्याओं का समाधान किस तरह करेगा।

मतदाताओं की जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है। चुनाव के समय भावनात्मक मुद्दे चर्चा में आ सकते हैं, लेकिन नागरिकों को अपने क्षेत्र के विकास, जनप्रतिनिधि की उपलब्धता और सरकार के कामकाज पर भी ध्यान देना चाहिए। लोकतंत्र में जनता केवल सरकार चुनने वाली शक्ति नहीं, बल्कि उससे जवाब मांगने वाली सबसे बड़ी संस्था भी है।

बस्ती जैसे जिलों में भी राजनीतिक दलों को स्थानीय जरूरतों पर स्पष्ट बात करनी चाहिए। क्षेत्र की सड़कों, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा, रोजगार और व्यापार से जुड़े मुद्दों पर ठोस योजनाएं सामने आनी चाहिए। चुनावी सभाओं में किए गए वादों का मूल्यांकन बाद में उनके क्रियान्वयन के आधार पर होना चाहिए।

उत्तर प्रदेश का अगला विधानसभा चुनाव राजनीतिक दलों के लिए सत्ता की परीक्षा होगा, लेकिन जनता के लिए यह अपने भविष्य से जुड़े निर्णय का अवसर है। इसलिए चुनावी चर्चा का केंद्र केवल कौन आगे है और कौन पीछे, यह नहीं होना चाहिए। असली चर्चा इस बात पर होनी चाहिए कि कौन जनता के जीवन में बेहतर बदलाव लाने की स्पष्ट योजना रखता है।

प्रदूषण की चुनौती

साफ हवा में सांस लेना हर नागरिक की जरूरत है। लेकिन हर साल सर्दियों के करीब आते ही वायु प्रदूषण की समस्या गंभीर होने लगती है। पराली जलाने, वाहनों से निकलने वाले धुएं, निर्माण कार्यों की धूल और कचरा जलाने जैसी गतिविधियों से हवा की गुणवत्ता प्रभावित होती है। चिंता की बात यह है कि समस्या सामने आने के बाद कार्रवाई की चर्चा तेज होती है, जबकि इसकी रोकथाम के लिए पूरे साल तैयारी की जरूरत है।

पराली जलाने के मामले में किसानों को ही जिम्मेदार ठहराकर समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सकता। किसान के सामने अगली फसल की बुवाई के लिए खेत जल्दी खाली करने की मजबूरी होती है। यदि फसल के अवशेष हटाने वाली मशीनें समय पर और उचित किराये पर उपलब्ध नहीं होंगी, तो केवल चेतावनी और जुर्माने से अपेक्षित परिणाम हासिल करना कठिन होगा। किसानों को ऐसे विकल्प देने होंगे, जिनसे खेत भी समय पर तैयार हो और पराली से खाद, पशुचारा या ऊर्जा बनाने के अवसर भी बढ़ें।

इसके साथ ही प्रदूषण के दूसरे स्रोतों पर भी समान गंभीरता से ध्यान देना होगा। शहरों में सड़कों की धूल नियंत्रित करने, निर्माण स्थलों पर नियमों का पालन कराने, कचरा जलाने पर रोक लगाने और वाहनों से होने वाले प्रदूषण की जांच को प्रभावी बनाने की जरूरत है। नियमों का पालन केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देना चाहिए।

बस्ती जैसे जिलों में भी पर्यावरण संरक्षण को स्थानीय प्रशासन और नागरिकों की साझा जिम्मेदारी के रूप में देखना होगा। शहरों में कचरे का उचित निस्तारण, नालों और जलस्रोतों की सफाई, सार्वजनिक स्थानों पर हरियाली तथा पेड़ों की सुरक्षा पर नियमित ध्यान देना जरूरी है। पौधारोपण के कार्यक्रम तभी सफल माने जाएंगे, जब लगाए गए पौधे सुरक्षित रहें और बड़े होकर पेड़ बनें।

प्रशासन को प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों की पहचान कर नियमित निगरानी करनी चाहिए। साथ ही नागरिकों को भी कचरा न जलाने, निजी वाहनों का अनावश्यक इस्तेमाल कम करने और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने में सहयोग देना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण का पूरा दायित्व सरकार पर डालकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता।

स्वच्छ हवा कोई सुविधा नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। प्रदूषण का समाधान तभी संभव है, जब सरकारी आदेशों के साथ व्यावहारिक विकल्प, नियमित निगरानी और जनभागीदारी सुनिश्चित हो। पर्यावरण बचाने की पहल संकट बढ़ने के बाद नहीं, बल्कि संकट आने से पहले होनी चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि पर्यावरण से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने वालों पर बिना भेदभाव कार्रवाई हो। साथ ही, सरकार और प्रशासन प्रदूषण के कारणों की पहचान कर उनके स्थायी समाधान पर काम करें। स्कूलों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय निकायों को भी लोगों को जागरूक करने में भूमिका निभानी चाहिए। आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, स्वच्छ पानी और हरा–भरा वातावरण देना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। पर्यावरण की अनदेखी का नुकसान किसी एक व्यक्ति या वर्ग को नहीं, बल्कि पूरे समाज को उठाना पड़ता है।

रेलवे में लाखों पद खाली और कई खत्म, आखिर युवाओं को नौकरी कब मिलेगी?

अखिल कुमार यादव

रेलवे की पटरियों पर ट्रेनें लगातार दौड़ रही हैं, नई वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू हो रही हैं, स्टेशनों के आधुनिकीकरण की तस्वीरें दिखाई जा रही हैं और रेलवे के विकास की उपलब्धियां गिनाई जा रही हैं। लेकिन इसी चमकती तस्वीर के पीछे रोजगार का एक ऐसा आंकड़ा खड़ा है, जिस पर देश के युवाओं का ध्यान जाना चाहिए। सवाल यह है कि जिस रेलवे को देश के सबसे बड़े रोजगार देने वाले संस्थानों में गिना जाता है, वहां स्वीकृत पदों और वास्तविक कर्मचारियों के बीच इतना बड़ा अंतर क्यों है?

31 मार्च, 2025 के आंकड़ों को आधार मानें तो रेलवे में लगभग 14,80,000 स्वीकृत पद थे, जबकि नियमित कर्मचारियों की संख्या 12,28,992 बताई गई। यानी दोनों के बीच 2,51,008 पदों का अंतर था। सरल भाषा में कहें तो स्वीकृत पदों का लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा खाली था। मतलब करीब हर छह स्वीकृत पदों में से एक पद पर नियमित कर्मचारी मौजूद नहीं था। यह आंकड़ा अपने आप में एक बड़ा सवाल है। क्योंकि रेलवे कोई ऐसा कार्यालय नहीं है जहां कुछ पद खाली रहने से काम कुछ समय के लिए टाला जा सके। रेलवे चौबीसों घंटे चलने वाली व्यवस्था है। लोको पायलट से लेकर ट्रैक मेंटेनर तक, स्टेशन मास्टर से लेकर सिग्नल और टेलीकॉम कर्मचारी तक, तकनीशियन से लेकर परिचालन स्टाफ तक हजारों कर्मचारी प्रतिदिन करोड़ों यात्रियों की यात्रा और रेलवे के सुरक्षित संचालन से जुड़े होते हैं। ऐसे में सवाल केवल रोजगार का नहीं, बल्कि कार्यभार, कार्यक्षमता और सुरक्षा का भी है। सरकार यह कह सकती है कि पिछले वर्षों में रेलवे में बड़े पैमाने पर भर्ती हुई है। यह बात भी आंकड़ों में दर्ज है। रेल मंत्रालय के अनुसार 2014–15 से जून 2026 तक 5.56 लाख से अधिक नियुक्तियां की गईं और 2024, 2025 तथा 2026 के भर्ती कैलेंडर के तहत 1.61 लाख से अधिक गैर–राजपत्रित पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि रेलवे में भर्ती हुई ही नहीं। लेकिन इससे एक दूसरा और ज्यादा गंभीर सवाल पैदा होता है।यदि इतने बड़े पैमाने पर भर्ती हुई, तो 31 मार्च 2025 को स्वीकृत पदों के मुकाबले 2.51 लाख पद खाली क्यों थे?

यही वह सवाल है जिसका जवाब आंकड़ों के साथ चाहिए। कुल कितनी भर्ती हुई, यह एक आंकड़ा है। लेकिन किसी खास तारीख पर रेलवे में कितने पद स्वीकृत थे, कितने भरे

हुए थे और कितने खाली थे, यह दूसरा आंकड़ा है। दोनों को मिलाकर ही रोजगार की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी। सरकार की ओर से नियुक्तियों का आंकड़ा अपनी जगह है और रिक्त पदों का आंकड़ा अपनी जगह। लोकतंत्र में दोनों को एक साथ रखकर सवाल पूछना ही वास्तविक जवाबदेही है। और यहां मामला केवल रिक्त पदों तक सीमित नहीं है। यदि 2015 से 2026 के बीच रेलवे के 1,51,414 पदों के विलुप्तीकरण या समाप्त किए जाने का आंकड़ा संबंधित सरकारी दस्तावेजों से प्रमाणित है, तो यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि आखिर इतने पद क्यों समाप्त किए गए? इनमें कितने पद सुरक्षा से जुड़े थे? कितने तकनीकी पद थे? कितने परिचालन से जुड़े थे? कितने ग्रुप सी या ग्रुप डी स्तर के थे? क्या इन पदों का काम तकनीक और मशीनीकरण के कारण समाप्त हुआ या किसी दूसरे माध्यम से कराया जाने लगा? क्योंकि रिक्त पद और समाप्त पद एक ही बात नहीं हैं। रिक्त पद का मतलब है कि पद अभी स्वीकृत है, लेकिन उस पर कर्मचारी नहीं है। जबकि समाप्त पद का मतलब है कि भविष्य में उस पद पर नियमित नियुक्ति की संभावना ही खत्म हो गई। इसलिए रोजगार के संदर्भ में इन दोनों आंकड़ों को अलग–अलग देखना जरूरी है। यदि रेलवे में तकनीकी बदलाव के कारण कुछ पदों की जरूरत कम हुई है तो सरकार को उसका पूरा विवरण देश के सामने रखना चाहिए। तकनीक का इस्तेमाल होना बुरी बात नहीं है। सवाल यह है कि तकनीक से बचने वाले संसाधनों का इस्तेमाल किस तरह हो रहा है और उसका लाभ किसे मिल रहा है। यदि मशीनें काम कर रही हैं तो कर्मचारियों का कार्यभार कितना घटा? यदि मानवबल की आवश्यकता कम हुई है तो क्या रेलवे सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर हुई? और यदि काम बढ़ा है तो कम कर्मचारियों से वह काम कैसे पूरा हो रहा है?

सबसे बड़ा सवाल रेलवे के सुरक्षा संबंधी पदों को लेकर होना चाहिए। देश में जब भी कोई रेल दुर्घटना होती है तो जांच के दौरान ट्रैक, सिग्नल, रखरखाव, मानवीय त्रुटि और कार्यभार जैसे अनेक पहलुओं पर चर्चा होती है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि रेलवे के कुल रिक्त पदों में सुरक्षा श्रेणी के पद कितने हैं। यदि सुरक्षा से जुड़े पद लंबे समय तक खाली रहते हैं तो उसका प्रभाव क्या है? इस सवाल का जवाब भावनाओं से नहीं, बल्कि विभागवार और श्रेणीवार आंकड़ों से मिलना चाहिए। दूसरी तरफ देश का युवा है। रेलवे की नौकरी आज भी लाखों युवाओं के लिए केवल नौकरी नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता का सपना है। छोटे शहरों और गांवों के युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। परिवार अपनी सीमित आय से कोचिंग की फीस भरता है। युवा कई–कई साल परीक्षा की तैयारी करता है। परीक्षा की तारीख का इंतजार करता है, फिर परीक्षा, परिणाम, दस्तावेज सत्यापन और नियुक्ति की लंबी प्रक्रिया से गुजरता है। इसलिए रेलवे की एक रिक्ति केवल सरकारी फाइल में दर्ज संख्या नहीं होती, बल्कि उसके भविष्य की एक संभावना होती है। इसलिए रेलवे में रोजगार का सवाल केवल यह पूछने से खत्म नहीं हो सकता कि कितनी भर्ती हुई। सवाल यह भी है कि कितने पद स्वीकृत किए गए, कितने पद खाली रहे, कितने पद समाप्त किए गए और कितने पदों पर भर्ती प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी हुई।

यहीं से सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी शुरू होती है। सरकार को अपने भर्ती आंकड़े सार्वजनिक करने चाहिए और आलोचना करने वालों को अपने आरोपों के पीछे दस्तावेज रखने चाहिए। जनता को भी केवल भाषण नहीं, बल्कि आंकड़ों की पूरी तस्वीर देखनी चाहिए। और फिर आता है वह दौर, जिसे आज भी देश की राजनीतिक स्मृति में थाली, ताली और दीप जलाने के प्रतीकों से याद किया जाता है।

अंबानी की ताकत से प्रभावित अमेरिका

–नीरज कुमार दुबे–

गुजरात स्थित जामनगर में बुधवार को एक ऐसी मुलाकात हुई, जिसके मायने किसी औद्योगिक दौरे से कहीं ज्यादा बड़े हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो दुनिया की सबसे बड़ी सिंगल–साइट ऑयल रिफाइनरी देखने पहुंचे, जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी तथा एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी ने उनका स्वागत किया। उनके साथ भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी मौजूद रहे। सवाल यह है कि अमेरिका के शीर्ष राजनयिक ने दिल्ली के बजाय जामनगर को इतना महत्व क्यों दिया? जवाब है तेल, ऊर्जा सुरक्षा, वेनेजुएला का भारी कच्चा तेल और अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर बढ़ता दबाव। हम आपको बता दें कि जामनगर में रुबियो को केवल रिफाइनरी की विशाल मशीनें और अत्याधुनिक तकनीक नहीं दिखाई गईं, बल्कि रिलायंस के उस औद्योगिक सामर्थ्य से भी परिचित कराया गया, जिसकी जरूरत आज अमेरिका को भी महसूस हो रही है। कंपनी के मुताबिक, अंबानी ने उन्हें रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स के अलावा निर्माणाधीन डेटा सेंटरों और चरणबद्ध तरीके से शुरू हो रही न्यू एनर्जी गीगा–फैक्ट्रियों की जानकारी दी। बातचीत में पारंपरिक ऊर्जा, नई ऊर्जा, तकनीकी सहयोग, मजबूत सप्लाई चेन और डेटा सेंटरों के लिए भरोसेमंद बिजली की जरूरत जैसे मुद्दे शामिल रहे। यानी चर्चा सिर्फ तेल खरीदने–बेचने की नहीं, बल्कि ऊर्जा और डिजिटल अर्थव्यवस्था के भविष्य की भी थी। हम आपको बता दें कि जामनगर रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स की संयुक्त कच्चा तेल प्रसंस्करण क्षमता प्रतिदिन 14 लाख बैरल है। इसमें 1999 में शुरू हुई पहली रिफाइनरी और 2008 में चालू हुई निर्यात–केंद्रित दूसरी रिफाइनरी शामिल हैं। रिलायंस के मुताबिक, यह कॉम्प्लेक्स 216 से अधिक प्रकार के कच्चे तेल का प्रसंस्करण कर चुका है। इसकी सबसे बड़ी ताकत भारी और अधिक सल्फर वाले कच्चे तेल को भी उपयोगी पेट्रोलियम उत्पादों में बदलने की क्षमता है।

यही क्षमता इसे अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से अहम बनाती है। वेनेजुएला का भारी कच्चा तेल दुनिया की हर रिफाइनरी आसानी से संसाधित नहीं कर सकती। लेकिन रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी इस मामले में विशिष्ट क्षमता रखती है। अमेरिका की वेनेजुएला–केंद्रित तेल रणनीति और वहां से कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाने की कोशिशों के बीच रिलायंस एक महत्वपूर्ण संभावित साझेदार बनकर उभरी है।

रुबियो ने साफ कहा कि रिलायंस के पास वेनेजुएला समेत पश्चिमी देशों में निकलने वाले भारी कच्चे तेल को रिफाइन करने की क्षमता है। यही वजह है कि अमेरिका रिलायंस के साथ मिलकर काम करने के नए रास्ते तलाश रहा है। अनुमानों के मुताबिक, अक्टूबर में रिलायंस हर दिन वेनेजुएला से करीब 3.5 लाख से 3.7 लाख बैरल कच्चा तेल मंगा सकती है। इससे साफ है कि वेनेजुएला के तेल को इस्तेमाल करने की अमेरिकी रणनीति में जामनगर रिफाइनरी की भूमिका बेहद अहम हो सकती है। इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पहलू अमेरिकी घरेलू अर्थव्यवस्था है। अमेरिका में ईंधन की कीमतों में उछाल और ईंधन आपूर्ति को लेकर चिंताओं के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन पर भारी दबाव है। नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले महंगे ईंधन का मुद्दा राजनीतिक रूप से भी संवेदनशील है।

रिलायंस इस तस्वीर में इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जामनगर से डीजल, पेट्रोल और विमानन ईंधन सहित बड़ी मात्रा में रिफाइंड उत्पाद दुनिया भर में भेजे जाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2025 की पहली छमाही में जामनगर से 2.166 करोड़ टन रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात हुआ। इसमें 98.1 लाख टन डीजल, 61.4 लाख टन पेट्रोल और 20.6 लाख टन जेट ईंधन शामिल था। यूरोप इन उत्पादों का सबसे बड़ा क्षेत्रीय बाजार रहा।

साथ ही अमेरिका के लिए रिलायंस की अहमियत सिर्फ उसकी रिफाइनरी तक सीमित नहीं है। भारत में अमेरिकी गैस की बढ़ती मांग भी इसकी बड़ी वजह है। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के मुताबिक, पिछले एक साल में भारत के कुल एलपीजी आयात में अमेरिकी गैस की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से बढ़कर 67 प्रतिशत हो गई है। यानी अब भारत को एलपीजी सप्लाई करने वाला अमेरिका सबसे बड़ा देश बन गया है। इसके अलावा, रुबियो के दौरे के पीछे एक और बड़ा आर्थिक पहलू है। ट्रंप प्रशासन अमेरिका में औद्योगिक उत्पादन और रोजगार वापस लाने की नीति को अपनी प्रमुख उपलब्धियों के रूप में पेश करता रहा है। इसी सिलसिले में टेक्सास के पोर्ट ऑफ ब्राउन्सविल में प्रस्तावित नई तेल रिफाइनरी में रिलायंस की भागीदारी को खास महत्व दिया जा रहा है। अमेरिका में करीब पांच दशकों बाद लगने जा रही इस प्रमुख नई रिफाइनरी पर लगभग 3 से 4 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान है। इसकी सालाना प्रसंस्करण क्षमता करीब 6 करोड़ बैरल अमेरिकी कच्चे तेल की होगी। रिलायंस ने इसके उत्पादन का बड़ा हिस्सा खरीदने के लिए 20 साल का समझौता किया है और इसके 2029 के आसपास परिचालन शुरू करने की उम्मीद है।

रिलायंस की अहमियत का तीसरा पहलू रूस–यूक्रेन युद्ध है। 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद भारत रूसी तेल का बड़ा खरीदार बनकर उभरा और रिलायंस ने भी रूसी कच्चे तेल का आयात बढ़ाया। कंपनी के तेल स्रोतों में रूस की हिस्सेदारी 2022 से पहले लगभग 3 प्रतिशत थी, जो 2025 में बढ़कर करीब 50 प्रतिशत तक पहुंच गई। रूसी तेल खरीदने के मुद्दे पर ट्रंप प्रशासन ने भारत पर अतिरिक्त टैरिफ का दबाव बनाया। इसके बाद रिलायंस ने रूसी कच्चे तेल का आयात घटाया। रुबियो ने स्वीकार किया कि भारत अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता ला रहा है, लेकिन रूस से बड़ी मात्रा में तेल खरीदना तुरंत बंद करना आसान नहीं है।

चुनौतियों के बावजूद बढ़ती हिंदी

–उमेश चतुर्वेदी–

बांग्ला संस्कृति का मूल स्वर सहिष्णुता, उदारता और समन्वय का रहा है। उन्नीसवीं सदी में बंगाल की धरती ने नवजागरण का स्वागत किया, जिसके मूल में ईश्वरचंद्र विद्यासागर और स्वामी विवेकानंद के विचार रहे। इस समन्वय की संस्कृति का ही असर रहा कि बंगाल की ही धरती से न सिर्फ हिंदी पत्रकारिता का उद्भव हुआ, बल्कि उसकी जड़ें मजबूत भी हुईं। लेकिन वही बंगाल बदल गया है। बांग्ला संस्कृति समन्वय के सूत्रों को कहीं पीछे छोड़ती नजर आने लगी है। अगर ऐसा नहीं होता तो कोलकाता नगर निगम के उस पोस्टर पर विवाद नहीं होता, जिसमें बांग्ला और हिंदी भाषा के शब्दों का अनूठा और कलात्मक संगम था। बांग्ला संस्कृति के प्रतीक पर्व दुर्गा पूजा के दौर में भाषायी सौंदर्य और कला के अनूठे मेल पर राजनीति ने जब सवाल उठाया तो कोलकाता नगर निगम ने अपना पोस्टर ही वापस ले लिया। शायद निगम ने सोचा होगा कि उत्साह और उल्लास का स्वाद राजनीतिक कंकड़ से खराब ना हो। जिस पोस्टर पर विवाद हुआ, उसके बारे में जानना जरूरी है। यह भी जानना जरूरी है कि आखिर उसमें क्या रहा, जिससे पश्चिम बंगाल का विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस परेशान हो गया। दरअसल दुर्गा पूजा के दौरान दस से 21 अक्टूबर तक कोलकाता नगर निगम ने देश की पूर्व राजधानी वाले शहर में चलाए जा रहे सफाई अभियान के लिए एक विशेष पोस्टर जारी किया था। जिसमें लिखा था, स्मायेर कोरबो स्वच्छता से स्वागत यानी मां दुर्गा का स्वागत स्वच्छता से करेंगे। जैसा कि शब्दों से पता चलता है, पोस्टर के अकेले वाक्य में बांग्ला और हिंदी शब्दों का अनूठा मेल पेश किया गया। विज्ञापन के भाषा की जिन्हें समझ है, उन्हें पता है कि बांग्ला और हिंदी के इस अनूठे मेल के जरिए जो संदेश दिया गया, वह कितना प्रभावी रहा। लेकिन तृणमूल कांग्रेस को इस वाक्य के तीन शब्द 'स्वच्छता से स्वागत' बंगाल में हिंदी थोपने का षडयंत्र नजर आने लगा। वैसे भी राज्य में अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। भाजपा की पहचान हिंदुत्व और हिंदी को लेकर रही है। इसलिए तृणमूल के लिए यह आरोप लगाना और उसे भाजपा के हिंदी वर्चस्ववाद के छद्म नैरेटिव से जोड़ना आसान रहा। लेकिन कोलकाता नगर निगम ने राजनीति से किनारा करना उचित समझा और इसे बदलने में उसने देर नहीं लगाई। पोस्टर के वाक्य को पूरी तरह बांग्ला कर दिया, श्वच्छतार साथे, मां के स्वागत जनाई़र दिया। बांग्ला के इस वाक्य का भाव वही है, जो पहले वाक्य का रहा। अफसोस यह कि राजनीति की वजह से भाषाई मेल का अनूठापन गायब हो गया। संविधान सभा में हिंदी को जितनी चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ा, उससे ज्यादा हिंदी इन दिनों वह चुनौतियों से जूझ रही है। वैसे तो तमिल जैसी क्षेत्रीय राजनीतिक अस्मिताएं हिंदी की राह में रोड़े डालती रही हैं। इसका साथ कभी कर्नाटक तो कभी महाराष्ट्र देता रहा है। यहां गौर करने की बात यह है कि भारतीय राष्ट्रीयता के अंतर्गत कई उपराष्ट्रीयताएं भी हैं, जिसे हम क्षेत्रीय अस्मिताओं के नाम से भी जानते हैं। भारतीय राष्ट्रीयता का मूल स्वर हिंदी से जुड़ा प्रतिध्वनित होता है। जिसे हम हिंदी हार्टलैंड या हृदय प्रदेश कहते हैं, वहां राष्ट्रीयता पर अपवादस्वरूप ही सवाल उठते हैं। लेकिन उपराष्ट्रीयताएं अक्सर हिंदी पर हमले के बहाने राष्ट्रीयता को प्रकारांतर से चुनौती देती रहती हैं। तब उनका एक मात्र तर्क यही होता है कि हिंदी थोपी जा रही है। दिलचस्प यह है कि जिस भाषा ने करीब दो सौ साल तक देश को गुलाम बनाए रखा, उसे अपनाने में उपराष्ट्रीयताएं गर्व समझती हैं। संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन सभा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने खुलेतौर पर स्वीकार किया था कि भाषा की समस्या का ठोस हल सभा नहीं निकाल पायी है। फिर भी उन्हें उम्मीद थी कि आने वाले दिनों में भाषा के रूप पर देश गांधी की तरह सोचेगा। हालांकि महावीर प्रसाद त्यागी को ऐसी उम्मीद नहीं थी। इसीलिए उन्होंने अपने आखिरी भाषण में कहा था कि वे संविधान के पृष्ठों पर गांधीजी को खोज रहे हैं, लेकिन उन्हें गांधी नजर नहीं आए।

पता नहीं, तृणमूल कांग्रेस को यह पता है या नहीं, लेकिन उसे जानना चाहिए कि आर्य समाज के प्रमुख ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश को हिंदी में लिखने के लिए बांग्ला माटी के सपूत केशवचंद्र सेन ने स्वामी दयानंद सरस्वती को प्रेरित किया था। भावी भारत की संपर्क या राष्ट्रभाषा बनने की क्षमता हिंदी में देखने वाले प्राथमिक लोगों में केशवचंद्र सेन भी रहे। कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद बंगाल की माटी के क्रांतिकारी सपूत सुभाष चंद्र बोस ने न सिर्फ हिंदी सीखने के लिए शिक्षक रखा था, बल्कि उन्होंने कोलकाता नगर निगम के अध्यक्ष के नाते पिछली सदी के तीस के दशक में हिंदी को लेकर अर्थपूर्ण भाषण भी दिया था। हिंदी पर सवाल कभी–कभी कर्नाटक से भी उठता है और किंचित महाराष्ट्र से भी। लेकिन हिंदी को स्वाधीनता से पहले से ही सबसे बड़ी चुनौती तमिलनाडु में मिलती रही है। हाल ही में तमिलनाडु के करूर और कोयंबटूर के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को दी जाने वाली दवाओं के पर्चे के कवर पर तमिल और अंग्रेजी के साथ–साथ हिंदी में भी निर्देश छापे गए थे। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी करते हुए विपक्षी प्रमुख पार्टी के नेता टी.आर.बी. राजा ने सवाल उठाया कि क्या तमिलनाडु में चुपचाप शीन–भाषा नीति लागू की जा चुकी है। हिंदी की ग्रंथि से प्रभावित तमिलनाडु राजनीति सवाल उठाए तो विवाद होना ही था। जब विवाद बढ़ा तो दोनों सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों ने मरीजों को दिए जाने वाले त्रिभाषी कवर का वितरण तत्काल रोक दिया और उसकी जगह तमिल और अंग्रेजी लिखी पर्चियां जारी कर दीं। तमिलनाडु में हाल ही में राजमार्ग के साइनबोर्ड पर हिंदी लिखे जाने को लेकर भी विवाद खड़ा किया गया।

दुष्कर्म के आरोपी को पांच दिन कोतवाली में रखने पर कोतवाल निलंबित, कोर्ट ने मांगी सीसीटीवी फुटेज

संवाददाता—देवरिया। शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाने के आरोपी को छह दिन तक सलेमपुर थाने में बैठाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट सख्त हो गया है। इस मामले में कोर्ट के सख्त रुख अपनाने के बाद एसपी अभिजीत आर शंकर ने सलेमपुर के कोतवाल विनोद कुमार सिंह और विवेचक दरोगा दीप नारायण को सस्पेंड कर दिया है। मामले में 23 अक्टूबर को हाईकोर्ट ने विवेचक को सीसी फुटेज व कागजात के साथ तलब किया है।

सलेमपुर उपनगर में किराये के कमरे में एक युवती को रखकर शादी का झांसा देकर एक युवक ने शारीरिक संबंध बनाया। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी दिखाते हुए 2 सितंबर को चालान कर दिया। इस बीच आरोपी की मां हाईकोर्ट पहुंच गई और रिट दाखिल कर दी। उसने आरोप लगाया कि उसके बेटे को छह दिन तक कोतवाली में रखा गया। हाईकोर्ट ने मामले को संज्ञान लेते हुए विवेचक को 23 अक्टूबर को तलब किया है।

मिली जानकारी के अनुसार कोर्ट की सख्ती के बाद एसपी ने मामले की खुद जांच कराई जिसमें 28 अगस्त से लेकर 2 सितंबर तक आरोपी कोतवाली में पाया गया। इसकी पुष्टि सीसीटीवी फुटेज से हुई है। फुटेज की जांच में आरोपी कभी कार्यालय तो कभी प्रभारी निरीक्षक के कक्ष में दिखा है। इसे गंभीरता से लेते हुए एसपी ने बुधवार की रात सलेमपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह और मामले के विवेचक दीप नारायण को निलंबित कर दिया। राहुल सिंह को सलेमपुर कोतवाली का प्रभारी बनाया गया है। जानकारों का कहना है कि किसी भी व्यक्ति को अधिकतम 24 घंटे तक ही थाने में रखा जा सकता है। जबकि यहां छह दिनों तक रखा गया है। अगर हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई तो जिम्मेदारों की परेशानी बढ़ सकती है।

पुलिस कर्मियों की लापरवाही से हाल के दिनों में जिले में पुलिस विभाग की खूब किरकिरी हुई है। सेना में तैनात एक जवान ने भलुअनी पुलिस पर कुछ माह पहले थाने में रखकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। मामले में उसने हाईकोर्ट में रिट दाखिल की तो हाईकोर्ट ने सीसी फुटेज तलब किया। लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने सीसी फुटेज न होने का दावा किया। दावे यह किए गए कि उस समय जनरेटर, लाइट भी खराब था। इसी तरह गौरीबाजार थाने में हत्या के आरोपी को कई दिनों तक बैठाने का मामला प्रकाश में आया और यह भी मामला हाईकोर्ट गया। इस मामले में हाईकोर्ट ने थानेदार के वेतन से पीड़ित पक्ष को रुपया देने का निर्देश दिया था। एक बार फिर इस तरह का मामला सलेमपुर कोतवाली में आ गया।

डंडा नदी में डूबे युवक का शव बीस घंटे बाद बरामद

संवाददाता—महराजगंज। सोनौली कोतवाली क्षेत्र के डंडा नदी में बुधवार शाम डूबे हरदी डाली पूरब टोला निवासी 18 वर्षीय शेर मोहम्मद पुत्र अब्दुल हमीद का शव बीस घंटे बाद गुरुवार सुबह दस बजे बरामद हुआ। एसएसबी की आरआरटी टीम व एनडीआरएफ ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान चलाया। शव बरामद होने के बाद पुलिस पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दी। शव मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। हरदी डाली पूरब टोला निवासी शेर मोहम्मद बुधवार शाम करीब पांच बजे गांव के पास डंडा नदी में साथियों के साथ मछली पकड़ने गया था। बताया जा रहा है कि उसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। साथियों के शोर मचाने पर आसपास के लोग जुटे। सूचना पर एसडीएम नौतनवा कुणाल, सीओ नौतनवा बसंत सिंह पुलिस व एसएसबी जवानों के साथ मौके पर पहुंचे। देर रात तक तलाश की गई, लेकिन अंधेरा होने के कारण सफलता नहीं मिली। मृतक के पिता अब्दुल हमीद ने बुधवार देर रात सोनौली कोतवाली में लिखित सूचना दी थी।

गुरुवार सुबह सोनौली कोतवाल विशाल कुमार शुक्ला व खनुआ चौकी प्रभारी अभिषेक जायसवाल के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। एसएसबी की आरआरटी टीम नाव के साथ नदी में उतरी। सुबह करीब नौ बजे एनडीआरएफ की टीम भी पहुंच गई। दोनों टीमों ने संयुक्त रूप से तलाश शुरू की। करीब 10 बजे एसएसबी की आरआरटी टीम ने युवक का शव बरामद कर लिया। रेस्क्यू अभियान के दौरान आरआरटी टीम के इंस्पेक्टर राकेश मनी पाल, एसआई सौरभ धर दुबे, एएसआई एन बाबू चन्द्र सिंह, मुख्य आरक्षी राघवेंद्र मिश्रा, राजा भाई, हल्का लेखपाल राहुल शर्मा और कानूनगो सुरेंद्र कुमार समेत अन्य कर्मी मौजूद रहे। सीओ नौतनवा बसंत सिंह ने बताया कि पिता की तहरीर के आधार पर शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रकरण में विधिक कार्रवाई चल रही है।

दुकान के पीछे पेशाब करने को लेकर विवाद, चले ईंट पत्थर, पुलिस तैनात

संवाददाता—देवरिया। देवरिया जिले के तरकुलवा थाना क्षेत्र के महुआपाटन बाजार में दुकान के पीछे पेशाब करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया और ईंट पत्थर भी चले। जिसमें एक किशोरी समेत तीन लोग घायल हो गए। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में ले लिया है। साथ ही पुलिस तैनात कर दी गई है महुआपाटन बाजार में एक व्यक्ति मछली बेचने का काम करता है। उसके दुकान के पीछे पड़ोसी दुकानदार का बेटा पेशाब करने के लिए पहुंच गया। मछली बेचने वाले ने विरोध जताया, जिसको लेकर कहासुनी शुरू हो गई और भीड़ जुट गई।

इस बीच किसी ने ईंट पत्थर चला दिया। जिससे एक किशोरी घायल हो गई। इसके बाद दूसरे पक्ष के लोगों की भी कुछ लोगों ने पिटाई कर दी। बवाल बढ़ने की सूचना के बाद पुलिस पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मामला बढ़ता देख थानेदार भूपेंद्र सिंह ने पुलिस तैनात कर दी। सीओ सिटी संजय कुमार रेड्डी ने बताया कि दो दुकानदारों में पेशाब करने को लेकर विवाद हुआ था। एक किशोरी गंभीर रूप से घायल है। मामले में केस दर्ज कर दो लोगों को हिरासत में ले लिया गया है और जांच की जा रही है।

रोटावेटर की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत

संवाददाता—महराजगंज। पुरन्दरपुर थाना क्षेत्र के भगवानपुर ग्राम सभा के बरगदवा टोले के पास खेत में जुताई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। ट्रैक्टर में लगे रोटावेटर की चपेट में आने से एक 22 वर्षीय युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। घटना के बाद से ही परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार भगवानपुर के बरगदवा टोला निवासी गुड्डू (22) पुत्र स्वर्गीय झिनक गांव के पास ट्रैक्टर में रोटावेटर लगाकर खेत की जुताई कर रहा था। इसी दौरान वह रोटावेटर की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही रोते—बिलखते परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। मृतक के चचेरे भाई शिवशंकर ने घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी गौरव राय कन्नौजिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच—पड़ताल की। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि चचेरे भाई की तहरीर व सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

मृतक गुड्डू दो भाइयों में बड़ा था। उसके पिता झिनक की मौत लगभग आठ वर्ष पूर्व हो चुकी थी। पिता के निधन के बाद से ही गुड्डू मजदूरी व खेती—किसानी कर पूरे परिवार का भरण—पोषण करता था। घर के कमाऊ सदस्य की अचानक दर्दनाक मौत से परिजनों का रो—रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

हवालात में आरोपी की मौत, 19 दिन बाद निलंबित इंस्पेक्टर की थाने में वापसी

संवाददाता—देवरिया। खुखुंदू थाने की हवालात में गांजा बरामदगी के आरोपी की मौत के बाद निलंबित हुए तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक राहुल सिंह को महज 19 दिन बाद दोबारा थाने में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल गई है। उन्हें सलेमपुर कोतवाली का अपराध निरीक्षक बनाया गया है। यह तैनाती ऐसे समय हुई है, जब हवालात में मौत के मामले में राज्य मानवाधिकार आयोग ने डीएम से जांच रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट देने की समयसीमा चार दिसंबर निर्धारित है। इस बीच राहुल सिंह को दोबारा जिम्मेदारी सौंपे जाने को लेकर पुलिस विभाग में चर्चा शुरू हो गई है। अमरोहा जिले के अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के फरीदपुर निवासी 38 वर्षीय बृजपाल उर्फ विक्की डीसीएम चालक थे। दो अक्तूबर को खुखुंदू—नूनखार मार्ग पर पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने उन्हें गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, डीसीएम में चावल की भूसी के बीच करीब 1.40 क्विंटल गांजा बरामद हुआ था। इसके बाद बृजपाल को खुखुंदू थाने की हवालात में रखा गया था। तीन अक्तूबर की सुबह बृजपाल हवालात में फंदे से लटके मिले। पुलिस उन्हें मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आत्महत्या का दावा किया था, जबकि परिजनों ने शुरुआत में पिटाई से मौत होने का आरोप लगाया था। हालांकि, बाद में परिजन शांत हो गए। घटना के बाद एसपी अभिजीत आर शंकर ने तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक राहुल सिंह, मुहर्रिर गुल्लूर प्रसाद और रिक्रूट आरक्षी अंगद यादव को निलंबित कर दिया था। तीनों के खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिए गए थे। इस मामले में दिल्ली निवासी कृष्णा राजपूत और राजहंस बंसल ने राज्य मानवाधिकार आयोग से शिकायत की थी। शिकायत में स्वतंत्र जांच कराने के साथ ही सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्य सुरक्षित रखने की मांग की गई थी। आयोग ने मामले का संज्ञान लेकर डीएम को नोटिस जारी किया है। चार दिसंबर तक विस्तृत जांच रिपोर्ट मांगी गई है। मामले में अगली सुनवाई सात दिसंबर को निर्धारित है। राहुल सिंह को दोबारा थाने में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने को लेकर बृहस्पतिवार को पुलिस विभाग में चर्चा होती रही। कुछ पुलिसकर्मियों का कहना था कि बृजपाल की मौत में राहुल सिंह जिम्मेदार नहीं थे। यह एक हादसा था और ऐसी घटना किसी के साथ भी हो सकती है। वहीं, कुछ पुलिसकर्मियों ने इतनी जल्दी अपराध निरीक्षक बनाए जाने को लेकर सवाल उठाए। उनका कहना था कि गंभीर घटना में निलंबन के एक महीने के भीतर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने से जनता में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल यह भी उठे कि राहुल सिंह का निलंबन किस तारीख को और किस आदेश से समाप्त हुआ। क्या विभागीय जांच पूरी हो चुकी है या अभी चल रही है। हवालात में मौत की मजिस्ट्रेटी और न्यायिक जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है या नहीं। यदि रिपोर्ट मिली है तो क्या उसमें राहुल सिंह को दोषमुक्त पाया गया है। राहुल सिंह की दोबारा तैनाती को लेकर पुलिस विभाग का अलग पक्ष है। एसपी के पीआरओ आशीष सिंह ने बताया कि बृजपाल की मौत के मामले में राहुल सिंह का कोई दोष नहीं था। फिलहाल उन्हें सलेमपुर कोतवाली में अपराध निरीक्षक बनाया गया है।

शहर के मोहल्ले में अनैतिक कार्य, छापेमारी में तीन जोड़े पकड़े गए

संवाददाता—देवरिया। शहर के एक मोहल्ले के एक मकान में लंबे समय से चल रहे अनैतिक कार्य की सूचना पर प्रशासन ने गुरुवार की दोपहर छापा मारा। इस दौरान तीन महिलाओं के साथ ही तीन युवकों को दबोच लिया। इसके बाद पुलिस तीनों जोड़ों को लेकर कोतवाली चली गई। देर शाम तक पुलिस मामले में पूछताछ कर रही थी। पकड़े गए तीनों युवक भटनी क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। शहर के एक मोहल्ले में 42 वर्षीय एक महिला एक मकान को किराये पर ले रखी थी। मकान मालिक गुजरात में रहता है। आए दिन वहां अलग—अलग लोग आते रहते थे। गुरुवार की दोपहर किसी ने पुलिस को सूचना दी कि मकान में अनैतिक कार्य हो रहा है। सूचना मिलते ही पहले यूपी 112 की टीम पहुंची। इसके बाद पुलिस ने उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी।

सूचना पर तहसीलदार अलका सिंह, सीओ सिटी संजय कुमार रेड्डी, सदर कोतवाल शशिभूषण राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और मकान की तलाशी ली। मकान में तीन महिलाएं व तीन युवक पकड़े गए। कुछ आपत्तिजनक सामान भी पाए गए। इसके बाद पुलिस मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में ही तीनों जोड़ों को लेकर कोतवाली चली आई। देर शाम तक पुलिस पूछताछ कर रही थी। लोगों का कहना है कि मकान में अनैतिक कार्य हो रहा था। आए दिन महिलाएं व पुरुष भी आते थे। सीओ सदर संजय कुमार रेड्डी ने कहा कि अनैतिक कार्य की सूचना पर छापेमारी की गई। तीन महिलाएं व तीन युवक पकड़े गए हैं। पूछताछ की जा रही है। पकड़े गए युवक भटनी थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय—श्रीमान अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) महोदय अयोध्या जनपद—अयोध्या

क0 वाद सं0—D202404230002461

पुष्पा चौहान

बनाम

अशोक कुमार आदि

बनाम—1— अशोक कुमार 2. शिव कुमार पुत्रगण शोभनाथ 3. राजेन्द्र प्रसाद 4. शिव शंकर पुत्रगण दानबहादुर 5. जालपा देवी पत्नी गुरुदीन निवासी ग्राम सीहीपुर परगना पश्चिम राठ तहसील बीकापुर जनपद—अयोध्या 6. अरूण कुमार 7. गुलाब 8. दिनेश कुमार पुत्रगण ठाकुर प्रसाद 9. श्रीमती सोना देवी पत्नी ठाकुर प्रसाद 10. नन्हे 11. जयपाल पुत्रगण बालादीन 12. अखण्ड प्रताप सिंह 13. सुभाष सिंह 14. राहुल सिंह पुत्रगण कामता प्रसाद 15. शोभावती पत्नी स्व0 कामता प्रसाद 16. कलावती पत्नी छेदी 17. सुरेन्द्र 18. नरेन्द्र 19. अर्जुन 20. सुरजीत पुत्रगण छेदी निवासी ग्राम बेला परगना पश्चिम राठ तहसील बीकापुर जनपद—अयोध्या 21. गांव सभा बेला परगना पश्चिम राठ तहसील बीकापुर जनपद—अयोध्या 22. गंगाप्रसाद 23. त्रिवेणी 24. लल्लू 25. यमुना पुत्रगण विजय बहादुर निवासी ग्राम बेलाराम परगना पश्चिम राठ तहसील बीकापुर जनपद—अयोध्या

तारीख पेशी 30—10—2026

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 10 के 30 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 26 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय—श्रीमान मुख्य राजस्व अधिकारी महोदय अयोध्या

शोभा सिंह आदि

बनाम

गांव सभा आदि

धारा—30 उ0प्र0रा0सं0अधि0

बनाम—3. बैजनाथ सिंह पुत्र राम नरायन सिंह 4. राजपती पत्नी माता बदल 5. अजीत कुमार पुत्र देवेन्द्र 6. दयावती पत्नी घनश्याम 7. महिरवन सिंह पुत्र शिवम्बर सिंह 8. भगौती सिंह पुत्र शिवम्बर सिंह 9. श्यामसुन्दर सिंह पुत्र राजा सिंह समस्त निवासीगण ग्राम खिरौनी परगना मगलसी तहसील सोहावल जनपद—अयोध्या

तारीख पेशी 24—10—2026

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 10 के 24 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 26 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

डीएम के खिलाफ अधिवक्ताओं का प्रदर्शन, कलेक्ट्रेट में 'मुर्दाबाद' के नारे लगाए

संवाददाता—बलरामपुर। ऑनलाइन दाखिल—खारिज व्यवस्था के विरोध और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन स्वीकार न किए जाने से नाराज अधिवक्ताओं का आंदोलन गुरुवार को तेज हो गया। तीनों तहसीलों और दीवानी न्यायालय के सैकड़ों अधिवक्ता पैदल मार्च करते हुए दोपहर 12ः35 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचे।

प्रदर्शन के दौरान डीएम अपने कार्यालय से बाहर आए और अधिवक्ताओं से शांतिपूर्वक बातचीत करने की अपील की, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अड़े रहे। इसी बीच अधिवक्ताओं की भीड़ डीएम की गाड़ी की ओर बढ़ी तो पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। अधिवक्ताओं ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी। गुरुवार को तीनों तहसीलों और दीवानी न्यायालय के अधिवक्ताओं ने एकजुट होकर कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च किया। उनके पहुंचने से पहले ही परिसर में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शनकारियों ने 'डीएम मुर्दाबाद', 'डीएम वापस जाओ' और 'भ्रष्ट डीएम' के नारे लगाए। इससे परिसर में प्रशासनिक हलचल तेज हो गई।

अधिवक्ताओं के प्रदर्शन के दौरान डीएम अपने कार्यालय से बाहर आए और उनसे शांतिपूर्वक वार्ता करने की अपील की। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने उनकी बात मानने से इनकार कर दिया। इसी दौरान कुछ अधिवक्ता डीएम की गाड़ी की ओर बढ़े, जिन्हें पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। अधिवक्ताओं ने पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए नारे लगाए। अधिवक्ता कमलेश्वर सिंह ने कहा कि जब अधिवक्ता अंग्रेजों की तोपों से नहीं डरे तो स्वतंत्र भारत की पुलिस से क्या डरेंगे। प्रदर्शनकारियों ने डीएम की कार्यशैली पर सवाल उठाने के साथ उनकी गाड़ी को लेकर भी आपत्ति जताई। उनका आरोप था कि डीएम बिना नंबर की गाड़ी से चलते हैं और उनका व्यवहार पद की मर्यादा के अनुरूप नहीं है। हालांकि, गाड़ी से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अधिवक्ताओं का कहना है कि ऑनलाइन दाखिल—खारिज व्यवस्था के विरोध और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन स्वीकार न किए जाने से उनके सम्मान को ठेस पहुंची है। दि कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश्वर सिंह ने कहा कि आंदोलन और हड़ताल तब तक जारी रहेगी, जब तक डीएम का तबादला नहीं होता या वह अधिवक्ताओं से लिखित माफी नहीं मांगते। संयुक्त बार एसोसिएशन समेत अन्य अधिवक्ता संगठनों के सदस्य भी ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। अधिवक्ताओं ने स्पष्ट किया कि मांगें पूरी होने तक उनका विरोध जारी रहेगा। प्रदर्शन के बाद प्रशासन और अधिवक्ताओं के बीच टकराव बढ़ने की आशंका है।

अधिवक्ता को टक्कर मारने वाले की गिरफ्तारी को लेकर वकीलों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता—बहराइच। वकीलों के मुताबिक, बुधवार को बहराइच—गोंडा मार्ग पर चित्तौरा क्षेत्र में यह घटना हुई थी। इसमें अधिवक्ता अखिलेश कुमार त्रिपाठी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल से लखनऊ रेफर किया गया है। अधिवक्ताओं का आरोप है कि आरोपी ने जानबूझकर अपनी फॉर्च्यूनर गाड़ी से टक्कर मारी थी। हालांकि, इस आरोप की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पीड़ित अधिवक्ता की शिकायत पर कोतवाली देहात थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। लेकिन आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से वकीलों में नाराजगी है। प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं ने पुलिस अधीक्षक से आरोपी के खिलाफ जल्द कार्रवाई करने और उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

रोजगार सेवकों ने दी कलमबंद हड़ताल की चेतावनी

संवाददाता—गोण्डा। ग्राम रोजगार सेवकों ने गुरुवार को मानदेय, सामग्री व श्रमिकों के कार्यों का भुगतान न होने सहित अपने विभिन्न समस्याओं को लेकर बीडीओ को संबोधित एक ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी केपी सिंह को सौंपा। साथ ही 26 अक्टूबर से कलमबंद हड़ताल करने की चेतावनी दी। रुपईडीह खंड विकास कार्यालय पर संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष सुखदेव तिवारी के नेतृत्व में सभी पदाधिकारियों एवं ग्राम रोजगार सेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी के पी सिंह को दिए गए ज्ञापन में कहा कि अधिकारियों व कर्मचारियों के शिथिलता के चलते शासन द्वारा 14 लाख रुपए देने के बाद भी ग्राम रोजगार सेवकों के मानदेय, मेटेरियल एवं श्रमिकों द्वारा किए गए कार्यों का भुगतान नहीं किया।

ग्राम रोजगार सेवकों ने कहा कि भुगतान न होने के चलते सभी को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों द्वारा अगर तीन दिवस के अंदर समस्त बकायों का भुगतान न करने पर आगामी 26 अक्टूबर दिन सोमवार से ग्राम रोजगार सेवकों द्वारा कलम बंद हड़ताल करने की चेतावनी दी। इसमें संगठन के संरक्षक विश्वनाथ शुक्ला, रविंद्र कश्यप, अमरीश पांडेय, शिवकुमार सोनकर, अनिल तिवारी, अजय कुमार, तुलसीराम, रामचरित्र, चक्रधर अवस्थी, रक्षा राम, राकेश तिवारी, राजेश्वर प्रसाद, पप्पू लाल, अनिल मिश्रा, प्रेम प्रकाश गुप्ता, दुर्गेश गुप्ता रहे।

नवप्रवर्तन प्रदर्शनी लगी, डीएम—सीडीओ ने नवाचार देखे

संवाददाता—बलरामपुर। बलरामपुर में 22 अक्टूबर को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में नवप्रवर्तन प्रदर्शनी लगी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश ने इसे आयोजित किया। डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन और सीडीओ हिमांशु गुप्ता ने स्टॉलों का जायजा लिया। प्रदर्शनी में छात्र—छात्राओं, युवाओं और उद्यमियों ने ग्रामीण व किसान नवप्रवर्तन, पौधों से बनी दवाएं, घरेलू उत्पाद, कृषि उपकरण और शिल्प जैसे नवाचार दिखाए। अधिकारियों ने उत्पादों की खासियत और उपयोगिता समझी। डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन ने कहा कि वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता नवाचार के लिए जरूरी है, जो समस्याओं का हल देती है। उन्होंने युवाओं से आसपास की समस्याओं के समाधान खोजने का आह्वान किया। सीडीओ हिमांशु गुप्ता ने बताया कि ऐसे आयोजन स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देते हैं, जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। प्रदर्शनी का उद्देश्य जिले में वैज्ञानिक सोच, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना था। इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक मृदुला आनंद और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास श्रीवास्तव भी मौजूद थे।

शिक्षक चुनाव को लेकर पुलिस अलर्ट, मतदान केंद्रों पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश

संवाददाता—बलरामपुर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के गोरखपुर—फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र—2026 के चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए बलरामपुर पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। एसपी ने पुलिसकर्मियों से कहा कि निर्वाचन ड्यूटी को उपचारिकता न समझें। सभी अपने दायित्वों का गंभीरता और मुस्तैदी से पालन करें। मतदान के दौरान कानून—व्यवस्था बनाए रखने के साथ किसी भी तरह की अव्यवस्था या अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें।

उन्होंने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने को कहा, ताकि मतदान प्रक्रिया के दौरान शांति व्यवस्था बनी रहे। एसपी ने मतपेटियों को सुरक्षित तरीके से लाने और ले जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के हर चरण में सुरक्षा और पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी है। सभी अधिकारी और कर्मचारी निर्वाचन आयोग के दिशा—निर्देशों का कड़ाई से पालन करें और किसी भी परिस्थिति में निष्पक्षता से समझौता न करें।

उन्होंने पुलिसकर्मियों से अपने आचरण और कार्यशैली के जरिए निर्वाचन प्रक्रिया में सुरक्षा और विश्वास का माहौल बनाए रखने की अपेक्षा की।

ब्रीफिंग में एएसपी विशाल पाण्डेय, सीओ उतरौला डॉ. जितेन्द्र कुमार, सीओ ललिया डी.के. श्रीवास्तव, सीओ यातायात विजय कुमार पाण्डेय, पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मासूम से रेप के दोषी को 20 साल कैद, 1 लाख का जुर्माना भी लगाया, एक साल बाद आया फैसला

संवाददाता—कुशीनगर। कुशीनगर की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने 5 साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले में दोषी प्रिंस गुप्ता उर्फ प्रिंस मद्धेशिया को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उस पर 1 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। विशेष लोक अभियोजक सुनील मिश्रा, संजय तिवारी और आशीष धर दूबे ने बताया कि मामला खड्डा थाना क्षेत्र का है। घटना 2 मार्च 2025 की शाम करीब 3 बजे की है। उस समय बच्ची की मां बाजार गई थी और 5 साल की बच्ची घर पर अकेली थी। आरोप है कि इसी दौरान बच्ची का चाचा प्रिंस गुप्ता उर्फ प्रिंस मद्धेशिया वहां पहुंचा और उसके साथ दुष्कर्म किया।

बाजार से लौटने पर मां ने बच्ची को रोते हुए और गंभीर हालत में देखा। बच्ची ने रोते हुए मां को आपबीती बताई। इसके बाद मां की तहरीर पर खड्डा थाने में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया। मुकदमा अपराध संख्या 58ः2025 में बीएनएस की धारा 65(2) और पॉक्सो एक्ट की धारा 5एम6 के तहत कार्रवाई की गई। मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट), कुशीनगर की अदालत में हुई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और सबूतों का परीक्षण करने के बाद कोर्ट ने प्रिंस गुप्ता को दोषी करार दिया।

अदालत ने जुर्माने की राशि पीड़िता या उसके विधिक प्रतिनिधियों को देने का आदेश दिया है। फैसले की प्रति जिला मजिस्ट्रेट, कुशीनगर को भी भेजी गई है। अदालत ने दोषी को बताया कि वह फैसले के खिलाफ 30 दिन के भीतर इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील कर सकता है।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हाईटेंशन तार की चपेट में आए 11 लोग, दो सगे भाइयों समेत तीन की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के जंगल अयोध्या प्रसाद में बुधवार शाम दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। प्रतिमा विसर्जन के लिए निकले जुलूस में शामिल डीजे की लोहे की रेलिंग ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गई। इससे करंट उतरने से चार महिलाओं समेत 11 लोग झुलस गए। सभी को बीआरडी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में दो सगे भाई भी शामिल हैं। हादसे के बाद गांव में चीख–पुकार मच गई और मृतकों के परिवारों में कोहराम छा गया।

घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बीआरडी मेडिकल कॉलेज के गेट के सामने गोरखपुर–महराजगंज फोरलेन पर जाम लगा दिया। जिलाधिकारी दीपक मीणा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने मौके पर पहुंचकर परिजनों और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों की ओर से कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद भी ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। देर शाम तक मौके पर तनाव की स्थिति बनी रही। जानकारी के अनुसार, गुलरिहा थाना क्षेत्र के जंगल अयोध्या प्रसाद के चौहान टोला में दुर्गा प्रतिमा स्थापित की गई थी। बुधवार शाम करीब पांच बजे ग्रामीण प्रतिमा लेकर कोलुहा घाट पर विसर्जन के लिए निकले थे। जुलूस जब गांव के बाहर रजही चौराहे पर रामानंद के दरवाजे के पास पहुंचा, तभी डीजे के ऊपर बनी लोहे की रेलिंग ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गई।

तार के संपर्क में आते ही डीजे और प्रतिमा के आसपास मौजूद लोगों को करंट लग गया। अचानक हुए हादसे से मौके पर अफरा–तफरी मच गई। लोगों की चीख–पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मदद के लिए दौड़े। हादसे में कुल 11 लोग झुलस गए, जिनमें चार महिलाएं भी शामिल बताई गई हैं। दो सगे भाइयों समेत तीन की मौतहादसे के बाद सभी घायलों को आनन–फानन में बीआरडी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने चंदन पुत्र केदारनाथ और शिव चौहान के पुत्र विक्की व लक्की को मृत घोषित कर दिया। विक्की और लक्की सगे भाई बताए जा रहे हैं। हादसे में पुष्पा देवी, नंदिनी, धीरेंद्र, मोनू, अंशिका चौहान, शनि चौहान, प्रियांशु, शिवानी और शांतनु के झुलसने की जानकारी सामने आई है। घायलों का बीआरडी मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है।

हादसे के बाद ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति आक्रोश फैल गया। उनका आरोप है कि प्रतिमा विसर्जन के दौरान बिजली आपूर्ति बंद रखने की बात कही गई थी, लेकिन इसके बावजूद बिजली नहीं काटी गई। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण इतना बड़ा हादसा हुआ। आक्रोशित ग्रामीणों ने शाम करीब छह बजे बीआरडी मेडिकल कॉलेज के गेट के सामने गोरखपुर–महराजगंज फोरलेन पर जाम लगा दिया। इससे सड़क पर आवागमन प्रभावित हो गया। ग्रामीण बिजली विभाग की जिम्मेदारी तय करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

घटना की सूचना पर जिलाधिकारी दीपक मीणा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने मेडिकल कॉलेज में घायलों के उपचार की स्थिति का जायजा लिया और पीड़ित परिवारों से बातचीत की। उन्होंने ग्रामीणों को कार्रवाई का आश्वासन देकर समझाने का प्रयास किया।

हालांकि, ग्रामीणों की मांगों पर सहमति नहीं बनने के कारण उन्होंने दोबारा गोरखपुर–महराजगंज फोरलेन जाम कर दिया। देर शाम तक पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीणों को समझाने में जुटे रहे।

शिक्षक चुनाव के लिए पोलिंग पार्टी रवाना, 7 केंद्रों पर 23 को होगा मतदान

संवाददाता–संतकबीरनगर। गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक चुनाव के लिए संतकबीरनगर में गुरुवार सुबह पोलिंग पार्टियां रवाना कर दी गईं। विकास भवन परिसर स्थित जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर से मतदान कर्मियों को सात मतदान केंद्रों के लिए भेजा गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम सत्य प्रकाश ने बताया कि मतदान 23 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। जिले में कुल 1540 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट, मतदान अधिकारियों और माइक्रो ऑब्जर्वर्स को जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

मतदान कराने के लिए गुरुवार सुबह 9 बजे विकास भवन परिसर स्थित जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर से पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया। जिम्मेदार कर्मचारी बुधवार तक मतदान की तैयारियों में जुटे रहे। प्रशासन ने मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं, ताकि निर्धारित समय पर मतदान शुरू कराया जा सके।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्य प्रकाश के मुताबिक, गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के लिए जिले में सात मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें क्षेत्र पंचायत कार्यालय भवन सांथा, मेहदावल, सेमरियावां, बघौली, खलीलाबाद, नाथनगर और हैंसर बाजार शामिल हैं। इन केंद्रों पर कुल 1540 मतदाता वोट डालेंगे।

प्रशासन ने सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट, मतदान अधिकारियों और माइक्रो ऑब्जर्वर्स को अपनी जिम्मेदारी निर्धारित समय और निर्देशों के अनुसार निभाने को कहा है। अधिकारियों को पूरी संवेदनशीलता के साथ मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने और निष्पक्षता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान शिकायतों के निस्तारण के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया है। एडीएम सत्य प्रकाश ने बताया कि कंट्रोल रूम 23 अक्टूबर तक सक्रिय रहेगा। शिकायत या निर्वाचन संबंधी जानकारी के लिए टेलीफोन नंबर 05547–226098 पर संपर्क किया जा सकता है।

विज्ञान टीएलएम प्रतियोगिता में शिक्षकों ने प्रदर्शित किए नवाचारी मॉडल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में गुरुवार को विज्ञान टीएलएम (शिक्षण–अधिगम सामग्री) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए 45 शिक्षकों ने प्रतिभाग कर विज्ञान की जटिल अवधारणाओं को सरल, रोचक और प्रयोगात्मक तरीके से समझाने वाले मॉडल प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के माध्यम से कक्षा शिक्षण में नवाचार और गतिविधि आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

प्रतियोगिता में शिक्षकों ने श्वसन तंत्र, उत्सर्जन तंत्र, पाचन तंत्र, गति, ध्वनि एवं तरंग, प्रकाश संश्लेषण तथा प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन सहित विज्ञान के विभिन्न विषयों पर आधारित टीएलएम का प्रदर्शन किया। इन मॉडलों के जरिए बच्चों को कठिन वैज्ञानिक अवधारणाएं सहजता से समझाने और शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के तरीकों को प्रस्तुत किया गया।प्रतियोगिता में बहादुरपुर विकासखंड के योगेश सिंह तोमर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। परशुरामपुर के अनूप कुमार द्विवेदी द्वितीय और बनकटी के अनुपम मिश्रा तृतीय स्थान पर रहे। वहीं, गौर के संदीप वर्मा और परशुरामपुर के बृजेश कुमार को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में अलीउद्दीन खान, डॉ. गोविंद प्रसाद एवं कुलदीप चौधरी शामिल रहे।

–योगेश प्रथम, अनूप द्वितीय अनुपम तृतीय स्थान पर रहे

डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि विज्ञान शिक्षण को प्रभावी बनाने में टीएलएम की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके माध्यम से बच्चे कठिन वैज्ञानिक अवधारणाओं को देखकर, समझकर और प्रयोग करके आसानी से सीख सकते हैं। ऐसी प्रतियोगिताएं शिक्षकों को नवाचार के लिए प्रेरित करने के साथ उनके अनुभवों को साझा करने का अवसर देती हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक कक्षा शिक्षण में गतिविधि आधारित पद्धतियों और स्थानीय संसाधनों से तैयार शिक्षण सामग्री का अधिकाधिक उपयोग करें। डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता महेंद्रनाथ त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षण–अधिगम सामग्री के माध्यम से विज्ञान की अवधारणाओं को अधिक स्पष्ट और प्रभावी ढंग से समझाया जा सकता है। इससे बच्चों में विषय के प्रति रुचि बढ़ती है और सीखने की प्रक्रिया सरल बनती है।कार्यक्रम की नोडल प्रवक्ता सरिता चौधरी ने कहा कि जब शिक्षक कक्षा शिक्षण के दौरान विज्ञान की अवधारणाओं पर आधारित मॉडल बच्चों से बनवाते हैं, तो वे केवल विषय को समझने में ही सक्षम नहीं होते, बल्कि उनमें वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और प्रयोग करने की प्रवृत्ति भी विकसित होती है। यही प्रयास भविष्य के वैज्ञानिक तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर वर्षा पटेल, डॉ. रविनाथ, मोहम्मद इमरान, शशि दर्शन त्रिपाठी, अमन सेन और वंदना चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

समूह सखियों का प्रदर्शनः मानदेय 2 हजार से बढ़ाकर 20 हजार करने की मांग, डीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–संतकबीरनगर। गुरुवार दोपहर समूह सखियों ने मानदेय बढ़ाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। दोपहर 2 बजे शुरू हुआ प्रदर्शन शाम 4 बजे समाप्त हुआ। इसके बाद समूह सखियों ने जिलाधिकारी को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। समूह सखियों सुषमा, लक्ष्मी सिंह, चंद्रकला और सुभा मौर्या ने बताया कि वे कई साल से स्वयं सहायता समूहों से जुड़े काम कर रही हैं। इसके बावजूद उन्हें हर महीने केवल 2,000 रुपये मानदेय मिलता है। उनका कहना है कि बढ़ती महंगाई और काम की जिम्मेदारियों को देखते हुए यह रकम पर्याप्त नहीं है।

समूह सखियों ने कहा कि उनके काम का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन हो गया है, लेकिन कई सखियों के पास स्मार्टफोन नहीं हैं। इससे सरकारी कामकाज पूरा करने में परेशानी होती है। उन्होंने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पांच सूत्रीय मांगें रखीं।

समूह सखियों ने जिलाधिकारी से मांगों पर विचार कर उन्हें पूरा कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी नहीं होने पर वे शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध जारी रखेंगी।

पहलवान हत्याकांड में गिरफ्तारी की मांगः पत्नी ने की आत्मदाह का कोशिश

संवाददाता–संतकबीरनगर। गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे जिला केसरी ब्रह्मानंद पहलवान हत्याकांड में शेष आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पीड़ित परिवार जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा। परिजनों ने धरना–प्रदर्शन किया। इसी दौरान मृतक की पत्नी ने ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे ऐसा करने से रोक लिया। अंतरराष्ट्रीय पहलवान साधु यादव भी परिवार के समर्थन में धरने पर बैठे। करीब एक महीने पहले जिला केसरी ब्रह्मानंद पहलवान की हत्या हुई थी। परिजनों ने मामले में 14 लोगों को आरोपी बताते हुए कार्रवाई की मांग की थी। परिवार के अनुसार, अब तक आठ आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, जबकि बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसी को

लेकर परिजन दूसरी बार जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और धरना शुरू कर दिया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि हत्याकांड से जुड़े कुछ आरोपी अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। परिजनों ने मिर्च पाउडर डालने की आरोपी महिलाओं की गिरफ्तारी न होने पर भी सवाल उठाए। परिवार की मांग है कि मामले में नामजद सभी शेष आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। धरने के दौरान मृतक पहलवान की पत्नी ने ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों ने समय रहते उसे रोक लिया। घटना के बाद जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में अफरा–तफरी मच गई। स्थिति को देखते हुए परिसर में पुलिस बल तैनात किया गया। अंतरराष्ट्रीय पहलवान साधु यादव पीड़ित परिवार के समर्थन में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। वह परिजनों के साथ धरने पर बैठ गए और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। परिवार ने पुलिस प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर न्याय दिलाने की मांग की।

समूह सखियों का प्रदर्शन, मानदेय 2 हजार से बढ़ाकर 20 हजार करने की मांग

संवाददाता–संतकबीरनगर। गुरुवार दोपहर समूह सखियों ने मानदेय बढ़ाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। दोपहर 2 बजे शुरू हुआ प्रदर्शन शाम 4 बजे समाप्त हुआ। इसके बाद समूह सखियों ने जिलाधिकारी को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। समूह सखियों सुषमा, लक्ष्मी सिंह, चंद्रकला और सुभा मौर्या ने बताया कि वे कई साल से स्वयं सहायता समूहों से जुड़े काम कर रही हैं। इसके बावजूद उन्हें हर महीने केवल 2,000 रुपये मानदेय मिलता है। उनका कहना है कि बढ़ती महंगाई और काम की जिम्मेदारियों को देखते हुए यह रकम पर्याप्त नहीं है। समूह सखियों ने कहा कि उनके काम का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन हो गया है, लेकिन कई सखियों के पास स्मार्टफोन नहीं हैं। इससे सरकारी कामकाज पूरा करने में परेशानी होती है।

हरीश द्विवेदी के जन्मदिन पर किया पौधारोपण, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रभु दयाल वर्मा ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के जन्मदिन के अवसर पर विभिन्न अंबेडकर पार्कों में पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया। प्रभु दयाल वर्मा ने खीरि घाट समेत अन्य अंबेडकर पार्कों में पौधे लगाए और हरीश द्विवेदी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

प्रभु दयाल वर्मा ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वह आगे भी इसी तरह जनसेवा के कार्य करते रहें और स्वस्थ रहते हुए दीर्घायु हों। कहा कि पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पेड़–पौधे न केवल पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहायक हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सुरक्षित भविष्य का आधार हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे विशेष अवसरों पर पौधारोपण करें और लगाए गए पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी निभाएं।

इस अवसर पर अंबेडकर पार्कों में पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

रेबीज की आशंका के बीच गाय की मौत, दूध से बने प्रसाद के सेवन पर 450 लोगों को लगा टीका

संवाददाता–गोरखपुर। गोला इलाके के डाड़ी गांव में दुर्गा पूजा के दौरान गाय के दूध से तैयार प्रसाद के सेवन से रेबीज की आशंका से लोगों में दहशत फैल गई है। ग्रामीणों के अनुसार, गाय को कुत्ते ने काटा था। गाय की मौत के बाद चिकित्सकों ने लक्षणों के आधार पर रेबीज की आशंका जताई थी। इसके बाद गांव में शिविर लगाकर ग्रामीणों में एंटी रेबीज का टीका लगाया गया। मंगलवार और बुधवार को कुल 450 लोगों को एंटी रेबीज टीका लगवाया। डाड़ी चौराहे पर नवयुवक मंगल दल समिति की ओर से दुर्गा प्रतिमा स्थापित कर पूजा आयोजित की गई थी। समिति अध्यक्ष सुधांशु रंजन के अनुसार, सप्तमी को गांव के एक व्यक्ति के घर से दूध मंगाकर प्रसाद तैयार किया गया था। यह दूध चौराहे की कुछ चाय की दुकानों तक भी पहुंचा था। 19 अक्तूबर को गाय ने खाना–पीना छोड़ दिया और उसके मुंह से लार गिरने लगा। पशुपालक उसे राजकीय पशु चिकित्सालय, डाड़ी ले गए। वहां पशु चिकित्सक डॉ. जियाउल सिद्दीकी ने लक्षणों के आधार पर रेबीज की आशंका जताई। उपचार के बावजूद गाय की मौत हो गई। मंगलवार को ग्रामीणों ने गाय को जमीन में दबा दिया। गाय का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया है।

मामले की जानकारी मिलने पर समिति अध्यक्ष सुधांशु रंजन, ग्राम प्रधान आशा देवी और ग्रामीणों ने सीएचसी गोला को पत्र देकर टीकाकरण शिविर लगाने की मांग की। मंगलवार को 50 लोगों को टीका लगाया गया, जबकि बुधवार सुबह 10 से शाम तीन बजे तक चले शिविर में 400 लोगों का टीकाकरण हुआ। फार्मासिस्ट सिद्धार्थ सिंह के नेतृत्व में पहुंची टीम में सीएचओ राजेश यादव और फार्मासिस्ट अंकिता, प्रियंका व अरशद शामिल रहे। सीएचसी प्रभारी डॉ. अमरेंद्र ठाकुर ने संभावित संपर्क में आए लोगों से चिकित्सकीय सलाह लेने और टीके की निर्धारित खुराक समय पर पूरी कराने की अपील की। उन्होंने कच्चा दूध पीने से बचने और दूध अच्छी तरह उबालकर इस्तेमाल करने की सलाह भी दी।

पूजा के दौरान प्रसाद ग्रहण किया था। गाय में रेबीज की आशंका से घबरा गए हैं। स्वास्थ्य विभाग सभी संबंधित लोगों का निर्धारित टीकाकरण पूरा कराए और किसी भी लक्षण की स्थिति में तत्काल उपचार उपलब्ध कराए। – पवन सिंह, डाड़ी गांव

दुर्गा पूजा में माता का पट खुलने के बाद प्रसाद बांटा गया था। अगले दिन गाय की तबीयत बिगड़ने और उसकी मौत की सूचना मिली तो शिविर में टीका लगवाया और सभी निर्धारित खुराक पूरी होने के बाद ही राहत मिलने की बात कही। – राजेश गुप्ता, डाड़ी गांव

सीएचसी प्रभारी को टीकाकरण के लिए निर्देशित किया गया है। गांव में शिविर लगाकर टीकाकरण कराया जा रहा है। जिन्हें भी संक्रमण में आने की आशंका है वह टीकाकरण जरूर करा लें। – मनीष कुमार, एसडीएम, गोला

पालतू कुत्तों के टीकाकरण के लिए पशु चिकित्सालय में व्यवस्था उपलब्ध है लेकिन आवारा कुत्तों को पकड़ने और उनके टीकाकरण की सुविधा फिलहाल उपलब्ध नहीं है। डाड़ी गांव में गाय की मौत के मामले में कुत्ते के काटने की आशंका जताई गई है। पशुपालकों को सलाह दी जाती है कि पशुओं में किसी भी तरह के असामान्य लक्षण दिखाई देने पर तत्काल गोला पशु चिकित्सालय पर मौजूद डॉक्टर से अवश्य संपर्क करें। – डॉ. शिव प्रकाश मौर्य, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, गोला

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 प्रथम महोदय सिद्धार्थनगर जिला–सिद्धार्थनगर
घरेलू हिंसा वाद सं0 1436/2025
थाना–सिद्धार्थनगर
नसरीन फातिमा
बनाम
सुहेब आदि
1. सुहेब पुत्र शेरशाह (पति)
2. शेरशाह पुत्र अज्ञात (ससुर)
3. हसीबुन्निशा पत्नी शेरशाह (सास)
4. तवस्सुम पुत्री शेरशाह (ननद)
साकिन मिठौरा पोस्ट मिठौरा बाजार थाना सिन्दुरिया जनपद महराजगंज
तारीख पेशी 28–10–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 28 मास 10 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत– श्रीमान प्रथम अति0 उप जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
अपील सं0–T202517140315259
सुनील कुमार
बनाम
रामनिरंजन
बावत मौजा डुहवा तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती
1. रामनिरंजन पुत्र करिया साकिन रेहार तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 2. लालमणि पुत्र रामदेव 3. सत्यदेव पुत्र रामयस साकिन डुहवा तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 4. सरकार उत्तर प्रदेश द्वारा जिलाधिकारी महोदय बस्ती
तारीख पेशी 02–11–2026
अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 02 महीना 11 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)/खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–259/2009
श्रीदत्त आदि
बनाम
वृजेश्वर आदि
1/1 कुमारी कविता उम्र लगभग 28 वर्ष 1/2 कु0 मोनू उम्र लगभग 26 वर्ष 1/3 कु0 सोनू उम्र लगभग 24 वर्ष 1/4 कु0 क्षमा उम्र 22 वर्ष 1/5 कु0 झिनकू उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्रीगण वृजेश्वर सभी निवासी ग्राम बनगवां तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 04–01–2027

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 04 माह 01 सन 2027 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)/खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–335/2023
साबिर अली
बनाम
श्रीमती फरजाना खातून
1. श्रीमती फरजाना खातून पत्नी निसार अहमद साकिन मौजा कम्हरिया तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 05–01–2027

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 01 सन 2027 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

होंडा एजेंसी का ताला तोड़कर एक्टिवा चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज थाना क्षेत्र के गोलीगंज चौराहे के पास सोनौली हाईवे स्थित पीएस होंडा एजेंसी का शटर का ताला तोड़कर चोर बुधवार रात एक होंडा एक्टिवा स्कूटर चोरी कर ले गए। वारदात से पहले चोरों ने एजेंसी की बिजली का केबल काट दिया। इसके अलावा बगल की दुकान का भी ताला तोड़ने और बिजली का केबल काटने का प्रयास किया।पीएस होंडा एजेंसी के मालिक दर्शन शर्मा ने बताया कि बुधवार रात चोरों ने एजेंसी की बिजली का केबल काट दिया।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com